वेद-वार्ता
Veda-vārtā

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की पत्रिका
News letter of Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan,Ujjain

विक्रम संवत् २०८० | मार्च २०२३ से मार्च २०२४ तक | सयुक्तांक - ४८ | कुल पृष्ठ संख्या - २८

समाचार संकेतिका

- साचिव्यम् 01-02
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण 03-04
- प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप 04
- प्रतिष्ठान परिसर में माननीय शिक्षामंत्री तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष जी का आगमन 04-05
- महासभा की 26 वीं बैठक 05
- शासी परिषद की 46वीं बैठक 05-06
- वैदिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता 06
- ध्यान मण्डप और ऑडियो/विजुअल स्टूडियो का निर्माण 07
- श्रीराम मन्दिर उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या में "चतुर्वेद पारायण" में वेदपाठियों की सहभागिता 07
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता हेतु आशय पत्र जारी 07
- भारतीय संसद भवन में माननीय सांसद एवं सदस्यों को "वेद कल्पतरु" पुस्तक वितरण 08
- प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वैदिक पाठ्यक्रम को कौशल विकास एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम योजना में जोड़ना 08
- प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण 08-09
- संस्कृत विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम) में राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी आयोजित 10
- श्री महारुद्र हनुमान सेवा संस्थान, बड़ोदरा (गुजरात) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन 10
- क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन 10-12
- अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन 13-14
- क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन 14-15
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी हेतु भूमि प्राप्त 15
- सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ 15-16
- अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह 16
- अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियाँ 16-19
- 77 वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह- 2023 19
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का स्थापना दिवस समारोह 20
- वेद ज्ञान सप्ताह समारोह 20-22
- ओङ्कारेश्वर में एकात्मधाम शङ्कराचार्य का भव्यमूर्ति अनावरण समारोह 22
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय , पुरी, ओडिशा का प्रथम स्थापना दिवस महोत्सव 23
- वेद जागरण यात्रा 23
- 78वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह- 2024 24
- अतिरात्र सोमयाग 24
- वेद अनुसन्धान केन्द्र की गतिविधियाँ 24
- बृहदारण्यक शतपथब्राह्मण सस्वर अध्यापन वर्ग 24
- प्रतिष्ठान परिसर में नवीन भवन निर्माण 25
- माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा प्रतिष्ठान का निरीक्षण 25
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन एवं अनुलग्नक - 1 26-28

साचिव्यम्

प्रिय पाठको! महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान आपके समक्ष इस संयुक्त वेदवार्ता में वेद की नवीन धाराओं को जोड़ते हुए प्रतिष्ठान की विविध सफलताओं को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष कर रहा है। उत्तरोत्तर ऊँचाइयों की ओर बढ़ते हुए कदम वैदिक वाङ्मय के विकास में सेतु का काम कर रहे हैं। आज प्रतिष्ठान परिसर में ध्यान मण्डप तथा ऑडियो / विजुअल स्टूडियो का निर्माण पूर्ण हो चुका है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीरामजी की पावन जन्मभूमि अयोध्या पुरी में श्रीराम मन्दिर उद्घाटन अवसर पर हमारे राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के वेद की अधिकांश शाखाओं के विद्वानों ने वेदपारायण / स्वाहाकार / मन्त्रपाठ किया। वेदविद्या प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता हेतु आशय का पत्र (Letter of Intent) जारी हुआ है, जिससे कार्य प्रारम्भ हो चुका है । प्रतिष्ठान वेद के प्रचार-प्रसार में एक अमोघ शक्ति का कार्य कर रहा है । वेद हमारी भारतीय सभ्यता और संस्कृति का मूल होने के कारण अनन्त ज्ञान के भण्डार हैं। इसीलिए कहा गया है "सर्वज्ञानमयो हि सः"। इसी श्रृंखला में प्रतिष्ठान ने वेद ज्ञान से परिचित कराने हेतु एक "वेद कल्पतरु" पुस्तक को मुद्रित कर भारतीय संसद भवन में सभी माननीय राज्यसभा संसद सदस्यों को वितरित किया गया ।

अविरत....2

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद पाठशालाओं, इकाइयों तथा समस्त राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों में से जो छात्र वेदभूषण कक्षा 8वीं उत्तीर्ण होकर वेदभूषण कक्षा 9वीं में अध्ययन कर रहे हैं उन छात्रों के लिए प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वैदिक पाठ्यक्रम को कौशल विकास एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम योजना से जोड़कर एक अलग से व्यावसायिक प्रमाणपत्र प्रदान करने का कार्य प्रतिष्ठान कर रहा है। इस पाठ्यक्रम से अनेक छात्र लाभ अर्जित कर रहे हैं। प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियुक्त कर प्रतिष्ठान के कलेवर में वृद्धि हुई है। प्रत्येक वर्ष की भाँति वेद के प्रचार-प्रसार हेतु अखिल भारतीय / क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियाँ, वेद ज्ञान सप्ताह, सभी के लिए वैदिक शिक्षा आदि गतिविधियों को अनवरत जारी रखा गया है। वर्तमान में यह समस्त कार्य होते हुए भी वेद सम्बन्धी कुछ कार्य होना शेष है, आकांक्षा करता हूँ कि वह भी हमारे वेद गुरुओं के सहयोग से पूर्ण होगा।

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्
सचिव, म.सा.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन

- **अध्यक्ष : श्री धर्मेन्द्र प्रधान**
  माननीय शिक्षा मन्त्री तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मन्त्री
  भारत सरकार
- **उपाध्यक्ष : प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र**
  माननीय उपाध्यक्ष
  महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
- **प्रधान सम्पादक : प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्**
  सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **सम्पादक : डॉ. अनूप कुमार मिश्र**
  सहायक निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **सह-सम्पादक : श्री देवाशीष तिवारी**
  कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
  डॉ. शम्भुनाथ मण्डल
  कनिष्ठ शोध अध्येता, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **तकनीकी सहयोग : श्री शैलेन्द्र डोडिया**
  डी.ई.ओ., महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

प्रकाशक :

सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
दूरभाष : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल : msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट : www.msrvvp.ac.in

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण

वेद अध्ययन की श्रुति / मौखिक परम्परा को संरक्षित, संवर्धित एवं विकसित करने के उद्देश्य से सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की XXI) के अनुसार दिल्ली सें 20 जनवरी 1987 को संस्थापना स्मरणपत्र और नियमों के पंजीयन सं S-17451/1987 के अन्तर्गत "राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" नामक स्वायत्त संस्थान का अखिल भारतीय सोसाइटी के रूप में गठन किया गया। प्रतिष्ठान की स्थापना को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संकल्प (Resolution) संख्या एफ. 6-3/85- संस्कृत-IV द्वारा दिनांक 30 मार्च 1987 को राजपत्र द्वारा प्रकाशित कर उद्घोषित किया। सस्वर वेदघोष के साथ श्रावण पूर्णिमा/रक्षाबन्धन/वेदारम्भ के पावन दिन में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का उद्घाटन 10.08.1987 को राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में हुआ।

महर्षि सान्दीपनि, जिन्होंने उज्जयिनी में अपने वेद-वेदाङ्ग-कला आदि विद्याओं का गुरुकुल की स्थापना कर भगवान् श्रीकृष्ण को समस्त वैदिक ज्ञान प्रदान किया था, उन के स्मरण में, मई 1993 में उज्जैन में स्थानान्तरित होने के उपरान्त महर्षि सान्दीपनि के स्मरण में "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के नाम से भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या F.6-21/92-संस्कृत-2 दिनांक 24.12.1993 द्वारा राजपत्र खण्ड-1, अनुभाग-1 में राजपत्र द्वारा उज्जैन में उद्घोषित हुआ। महाकाल ज्योतिर्लिङ्ग से दक्षिण दिशा में, जवासिया गांव में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त 23.6 एकड भूखण्ड में प्रतिष्ठान का हरित परिसर है एवं विवध भवन निर्मित हैं।

प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र में उल्लिखित 12 उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(i) वेद अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण, संवर्धन एवं विकास, जिस के लिए प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा। जैसा कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना, दृश्य और श्रव्य टेप रिकार्डिंग आदि।

(ii) वेद विद्वानों एवं वेद पण्डितों के माध्यम से मौखिक सस्वर वेदपाठ की परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखना एवं उस पर बल देना।

(iii) वेद में उच्चतर शोध हेतु समर्पित विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना।

(iv) जिन विद्यार्थियों को वेद में निष्णता प्राप्त है, उन्हें शोध की सुविधाएं देना और उनमें समुचित वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना; जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, ऋतुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रव्यचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उस का समसामयिकता/तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी से स्थापित किया जा सके साथ ही वेद विद्यार्थियों तथा आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ वैचारिक सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

(v) देशभर में वेद पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिए उनका संचालन करना या भरण-पोषण आदि करना।

(vi) जो भी वेद के धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं, या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना एवं वेद प्रसार हेतु उनका प्रबन्ध पुनः चलाना।

(vii) उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो चुकीं हैं, जिन के निपुण जानकार पण्डितों को खोजकर उन पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।

(viii) यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर वेद पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं तथा उन की वर्तमान स्थिति क्या है?

(ix) वेद शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं की मूल-पाठ सामग्रियों, पाण्डुलिपियों के मुद्रण, ग्रन्थ, पुस्तकें, टीकाएँ, भाष्य एवं व्याख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

(x) देश में नाना वेद शाखाओं के दृश्य या श्रव्य रिकॉर्ड उपलब्ध हैं उन के बारे में जानकारी संग्रह करना।

(xi) अत्यन्त प्राचीन काल से अद्यतन काल तक वेद मूलपाठ एवं वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र सम्मिलित हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना तथा ग्रन्थालय, अनुसन्धान सुविधाएँ, मानव शक्ति तकनीकी स्टाफ आदि का प्रावधान करना।

(xii) प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र के अनुरूप, प्रतिष्ठान के सभी उद्देश्यों या उद्देश्य की सफल प्राप्ति हेतु आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक सभी कार्यकलाप प्रारम्भ करना ।

महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी प्रतिष्ठान के योजना निकाय महासभा एवं प्राशासनिक निकाय शासी परिषद के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जी नामित किए जाते हैं। माननीय उपाध्यक्ष जी वित्त समिति एवं परियोजना समिति के माननीय अध्यक्ष हैं।

प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप

प्रतिष्ठान द्वारा देश भर में वेद के प्रचार-प्रसार के लिये- वेद पाठशालाओं, गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, शोध एवं प्रकाशन, सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, वेद पारायण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, वेद प्रशिक्षण, वेद ज्ञान सप्ताह, वैदिक कक्षाएँ, वेद टेप रिकार्डिंग, घर बैठे वेदों की शिक्षा, वयोवृद्ध एवं वेद पाठियों-नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता आदि योजनागत कार्य किए जाते हैं । प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक परम्परा के सरंक्षण के लिए संचालित योजनाएँ :-

1. वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना (गुरु शिष्य योजना एवं पाठशाला योजना)
2. वेद शोध केन्द्र
3. वैदिक प्रशिक्षण केन्द्र
4. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय
5. वैदिक सामग्री संग्रहालय
6. वेद-विज्ञान प्रदर्शनी
7. शोध, प्रकाशन एवं पुस्तकालय
8. यज्ञशाला एवं ध्यान मंडप गतिविधियां
9. वेद ज्ञान सप्ताह समारोह
10. सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ
11. वैदिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ
12. वैदिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
13. सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार
14. वेदविद्या शोध पत्रिका एवं वेदवार्ता वार्तापत्र
15. पत्राचार पाठ्यक्रम : घर बैठे वेदों की शिक्षा
16. वयोवृद्ध वेदपाठियों, नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता
17. वैदिक वनौषधि परियोजना
18. वैदिक कौशल विकास परियोजना

प्रतिष्ठान परिसर में माननीय शिक्षामन्त्री तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष जी का आगमन

माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार नई दिल्ली तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने दिनांक 29.02.2024 को प्रतिष्ठान परिसर में निर्मित भवनों तथा बनाये जा रहे नवीन भवनों का निरीक्षण करते हुए सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन किया। अवलोकनोपरान्त माननीय अध्यक्षजी ने निर्माण कार्य को गति देने हेतु निर्देश प्रदान किए।

प्रतिष्ठान परिसर में निर्माणाधीन भवन निरीक्षण करते हुए माननीय शिक्षामंत्री तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी

प्रतिष्ठान परिसर में माननीय शिक्षामंत्री तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी वैदिक छात्रों का निरीक्षण करते हुए

प्रतिष्ठान परिसर में माननीय शिक्षामंत्री तथा प्रतिष्ठान अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा की पाण्डुलिपि का अवलोकन करते हुए

महासभा की 26 वीं बैठक

महासभा की 26वीं बैठक माननीय शिक्षा मंत्री जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 09.01.2024 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नवत् हैं:-

(1) प्रतिष्ठान के मानित विश्वविद्यालय के रुप में उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (Detailed Project Report), संस्थापना नियमावली (Memorandum of Association) एवं यूजीसी में किए गए आवेदन को स्वीकृति प्रदान की गई तथा मंत्रालय एवं यूजीसी की विशेषज्ञ समिति (UGC's Expert Committee) के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

(2) आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस -मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग के माध्यम से विविध वेदों के सस्वर वेद पाठ एवं स्वरों के हस्त संचालन प्रदर्शन में गुणवत्ता का आकलन एवं परीक्षण के लिए नवीन परियोजना को स्वीकृति दी गई। यह परियोजना शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता से संचालित होगी। इस परियोजना के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन अनुसार, सभी वेदों के उत्कृष्ट सस्वर उच्चारण का मानक रिकार्डिंग अभिलेख (गोल्ड स्टेन्डर्ड डाटा) तैयार किया जाएगा, तथा इसे संरक्षित कर आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस तकनीक से छात्र द्वारा किये जा रहे वेद उच्चारण में गुणवत्ता का आकलन एवं परीक्षण किया जाएगा। इस से वेद के अक्षर एवं स्वर उच्चारण में मानकीकरण होगा।

(3) माननीय शिक्षा मंत्रीजी एवं महासभा के अध्यक्ष महोदय ने वेद और संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रही संस्थाओं/विश्वविद्यालयों को आर्टिफिशियल इंटिलीजेंस के आधार पर आधुनिक भौतिकी/क्वांटम भौतिकी, वैदिक गणित एवं अन्य आधुनिक पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु निर्देश दिया।

शासी परिषद की 46वीं बैठक

शासी परिषद की 46वीं बैठक माननीय शिक्षा मंत्री जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 09.01.2024 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नवत् हैं:-

(1) प्रतिष्ठान के मानित विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (Detailed Project Report), संस्थापना नियमावली (Memorandum of Association) एवं यूजीसी में किए गए आवेदन को स्वीकृति प्रदान की गई तथा मंत्रालय एवं यूजीसी की विशेषज्ञ समिति (UGC's Expert Committee) के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

(2) प्रतिष्ठान के अन्तर्गत पांच राज्यों (1) पुरी, ओडिशा (2) द्वारका, गुजरात (3) गुवाहाटी, असम (4) शृंगेरी अथवा आसपास, कर्नाटक (5) बद्रीनाथ अथवा आसपास में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों के लिए राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली भूमि पर निर्माण कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

(3) प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वेदपाठशालाओं/इकाइयों में सेवारत अध्यापकों के मानदेय दर की वृद्धि की स्वीकृति एवं भुगतान ।

(4) प्रतिष्ठान के वैदिक पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET) के कौशल एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ जोड़ते हुए मसारावेसंशिक्षा बोर्ड द्वारा वेदभूषण -चतुर्थ वर्ष से प्रतिष्ठान द्वारा तैयार पाठ्यक्रमों में से किन्हीं दो कौशल विकास पाठ्यक्रम चयन करने की प्रक्रिया कार्यान्वयन की गई है ।

वैदिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा वैदिक शिक्षा की प्रोन्नति के लिए स्वैच्छिक संगठनों (वेद पाठशालाओं/विद्यालयों) को वित्तीय सहायता योजना को बजट आबंटन के साथ प्रतिष्ठान को भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय प.सं. 8-3/94-Skt-1 दिनांक 19.10.1994 से स्थानान्तरित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत संगठनों/संस्थाओं/ पाठशालाओं/विद्यालयों के अध्यापकों के मानदेय तथा छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए भारत सरकार द्वारा योजना के अन्तर्गत प्राप्त सहायता-अनुदान दिया जाता है। वेद अध्यापक को अप्रैल 2018 से 22000/- रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। 5 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त करने के साथ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम करने के बाद 30000/- रुपए प्रतिमाह की दर से और 10 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त वेदाध्यापकों को 34000/- रुपए प्रतिमाह की दर से मानदेय प्रदान किया जाता है। 31.03.2022 के बाद जो अध्यापक वेदपाठशाला योजना में 5 वर्ष अध्यापन पूर्ण कर चुके हैं एवं एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता कर लिए हैं, उन अध्यापकों को 5 वर्ष अध्यापन उपरान्त प्रथम मानदेय बढ़ोत्तरी की जायेगी। गुणवत्ता का विकास की दृष्टि से वेद अध्यापकों का वेदपाठशाला योजना में 10 वर्ष अध्यापन कार्य पूर्ण होने एवं द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागिता होने की स्थिति में वेद अध्यापकों को द्वितीय मानदेय बढोत्तरी करने का प्रावधान किया गया है।

क्र .सं.	अध्यापकों की श्रेणी	अध्यापन अवधि	01.4.2023 से लागू वर्तमान प्रतिमाह मानदेय	1.4.2018 से 31.3.2023 तक का प्रतिमाह मानदेय	31.3.2018 तक का प्रतिमाह मानदेय
1.	वेद अध्यापक	0-5 वर्ष अध्यापन	रु. 27,500/-	रु. 22,000/-	रु. 11,000/-
		5-10 वर्ष अध्यापन	रु. 33,000/-	रु. 30,000/-	रु. 15,000/-
		10 वर्ष से अधिक	रु. 38,500/-	रु. 34,000/-	रु. 17,000/-
2.	संस्कृत विषय अध्यापक	0-5 वर्ष अध्यापन	रु. 30,000/-	रु. 28,000/-	रु. 14,000/-
		5-10 वर्ष अध्यापन	रु. 33,000/-		
		10 वर्ष से अधिक	रु. 35,000/-		
3.	आधुनिक विषय अध्यापक	0-5 वर्ष अध्यापन	रु. 25,000/-	रु. 16,000/-	रु. 8,000/-
		5-10 वर्ष अध्यापन	रु. 30,000/-		
		10 वर्ष से अधिक	रु. 35,000/-		

आधुनिक विषयों की श्रेणी में वर्ष 2017 से निम्नलिखित विषयों में संयुक्त विषय शिक्षक दिए गए हैं- (1) संस्कृत + सामाजिक विज्ञान + योग (2) अंग्रेजी + गणित + विज्ञान। वेद एवं अन्य सभी विषयों के अध्यापकों की गुणवत्ता विकास हेतु नई शिक्षा नीति (NEP) के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत 15 दिनों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम गुणवत्ता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

क्र .सं.	अध्यापकों की श्रेणी	अध्यापन अवधि	1.4.2023 से लागू वर्तमान प्रतिमाह मानदेय	1.4.2018 से 31.3.2023 तक का प्रतिमाह मानदेय	31.3.2018 तक का प्रतिमाह मानदेय
1.	गुरुशिष्य परम्परा इकाई वेद अध्यापक	0-5 वर्ष अध्यापन	रु. 25,000/-	रु.20,000/-	रु.10,000/-
		5-10 वर्ष अध्यापन	रु.30,000/-		
		10 वर्ष से अधिक	रु.35,000/-		

ध्यान मण्डप और ऑडियो/विजुअल स्टूडियो का निर्माण

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, जवासिया, उज्जैन स्थित मुख्यालय के 23 एकड़ विस्तृत परिसर में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय एवं देशभर में प्रतिष्ठान से अनुदानित वेदपाठशालाओं/गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में अध्ययनरत छात्रों को कौशल विकास प्रशिक्षण, ध्यान तथा योग अभ्यास विषय के उद्देश्य से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिष्ठान परिसर में नवनिर्मित वैदिक ध्यानमण्डप लगभग 9000 वर्गफुट क्षेत्र के साथ दो मंजिला भवन और ध्यानमण्डप के अन्दर ऑडियो/विजुअल स्टूडियो का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

श्रीराम मन्दिर उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या में "चतुर्वेद पारायण" में वेदपाठियों की सहभागिता

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या द्वारा निमन्त्रित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के मूर्धन्य वैदिक पण्डितों ने श्रीराम मन्दिर उद्घाटन के उपलक्ष्य पर श्रीराम मन्दिर प्राङ्गण में चारों वेदों का सस्वर पारायण निम्नानुसार किया। इस कार्यक्रम में कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा वेद पारायण/ स्वाहाकार का पं. श्री यादवेश शर्मा, शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखा वेदपारायण/स्वाहाकार पं. श्री सौरभ बण्डोपन्त शास्त्री, सामवेद राणायनीयशाखा वेदपारायण/स्वाहाकार पं. श्री दत्तदास रघुनाथ शेवडे, अथर्ववेद शौनक शाखा वेदपारायण / स्वाहाकार डॉ. मिथिलेश कुमार पाण्डेय एवं पं. श्री गंगाधर पण्डा आदि ने स्वशाखानुसार वेद मन्त्र पाठ किया। श्रीराम मन्दिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम में दिनांक 16/1/24 से 22/1/24 तक पं. श्री राधेश्याम पाठक एवं पं. श्री सौरभ बण्डोपन्त शास्त्री उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय की मान्यता हेतु आशय पत्र जारी

माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार तथा प्रतिष्ठान की शासी परिषद के माननीय अध्यक्षजी ने दिनांक 02.01.2023 को आयोजित प्रतिष्ठान की शासी परिषद की 45वीं बैठक के दौरान प्रतिष्ठान को वेद शिक्षा की सभी मौजूदा सुविधाओं को समायोजित करते हुए विशिष्ट श्रेणी के तहत एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन करने का सुझाव दिया। तदनुसार, एमओए (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) और डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) के साथ प्रतिष्ठान को एक "मानित विश्वविद्यालय" संस्थान के रूप में प्रोन्नत करने का प्रस्ताव प्रतिष्ठान के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया था।

उच्च शिक्षा विभाग (भाषा प्रभाग), शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री और शासी परिषद के अध्यक्ष की सैद्धांतिक स्वीकृति से अवगत कराया। प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा देने के लिए शासी परिषद ने सभी प्रासंगिक सहायक प्रलेखों के साथ तत्काल यूजीसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन अपलोड करने का निर्देश दिया।

प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय बनाने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - UGC Portal पर ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र अपलोड किये गये। तदुपरान्त, प्रतिष्ठान द्वारा UGC को किए गए ऑनलाइन आवेदन के आधार पर UGC के द्वारा किए गए ऑनलाइन निरीक्षण के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रतिष्ठान को मानित विश्वविद्यालय (Deemed to be University) हेतु आशय का पत्र (Letter of Intent) जारी किया गया है।

भारतीय संसद भवन में माननीय सांसद एवं सदस्यों को "वेद कल्पतरु" पुस्तक वितरण

राज्य सभा के माननीय सदस्यों के लिए वेद की प्रति उपलब्ध कराने हेतु आदरणीय सभापति श्री जगदीप धनखड़ जी के आदेश का पालन करते हुए माननीय शिक्षा मंत्रीजी, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय जी ने लोकसभा अध्यक्ष माननीय श्री ओम बिरला जी को "वेद कल्पतरु" की प्रति प्रदान की। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा रचित 'वेद कल्पतरु' की प्रति सभी माननीय राज्यसभा सदस्यों को उपलब्ध कराई गई। माननीय शिक्षा मंत्रीजी ने ट्विटर पर लिखा है कि - वेद भारतीय सभ्यता और संस्कृति का मूल होने के साथ अनन्त ज्ञान के भण्डार हैं। वैदिक संस्कृति के गौरव से समाज को परिचित कराने और वेद ज्ञान से लोगों को लाभान्वित कराने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वैदिक पाठ्यक्रम को कौशल विकास एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम योजना में जोड़ना

माननीय शिक्षा मंत्रीजी, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 02.01.2023 को आयोजित प्रतिष्ठान की 45वीं शासी परिषद की बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार छात्रों को कौशल विकास से जोड़ने एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (National Council for Vocational Educational and Training) को निर्देश दिया गया। माननीय शिक्षा मंत्रीजी एवं शासी परिषद् के निर्देशानुसार प्रतिष्ठान द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (National Council for Vocational Educational and Training) के लिए प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय में प्रस्तुत किया गया था। इस प्रस्ताव के पारित होने के उपरान्त प्रतिष्ठान द्वारा संचालित कौशल एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। यथा-

1. पुरोहित- कनिष्ठ सहायक /Purohita - Kanishtha Sahayak, 2. वास्तुशास्त्र- कनिष्ठ सहायक/Vastushastra -Kanishtha Sahayak, 3. ज्योतिषशास्त्र-कनिष्ठ सहायक/Jyotisha Shastra - Kanishtha Sahayak, 4. वैदिक गणित- कनिष्ठ सहायक/Vedic Ganit- Kanishtha Sahayak, 5. वैदिक संस्कार-कनिष्ठ सहायक/Vedic Sanskar – Kanishtha Sahayak, 6. मन्दिर प्रबन्धन- कनिष्ठ सहायक/Mandir Prabandhan - Kanishtha Sahayak, 7. वेदशास्त्र प्रवचन- कनिष्ठ सहायक /Veda Shastra Pravachan - Kanishtha Sahayak, 8. स्मार्त यज्ञ-कनिष्ठ सहायक/Smarta Yajna Kanishtha Sahayak, 9.श्रौत यज्ञ- कनिष्ठ सहायक /Shrauta Yajna – Kanishtha Sahayak, 10. योग प्रशिक्षण- कनिष्ठ सहायक/Yoga Prashikshan - Kanishtha Sahayak, 11. आयुर्वेद एवं वनोषधि- कनिष्ठ सहायक/Ayurveda Evam Vanaushadhi - Kanishtha Sahayak

प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की स्थापना 10 अगस्त 1987 को दिल्ली में हुई थी। उस के उपरान्त सचिव पद सहित 37 पद स्वीकृत किये गये थे। किन्तु विविध कारणों से प्रतिष्ठान में कार्यरत नियमित नियुक्त कर्मचारियों की संख्या समग्र रूप से 20 से अधिक कभी नहीं रही। वर्ष 2023 तक 36 वर्षों में 20 पाठशालाओं से 137 पाठशालाएँ हुईं, 21 गुरुशिष्य से 342 गुरुशिष्य इकाइयां

हुईं, छात्र संख्या 400 से 7000 हुई। 2001 से 2007 के बीच अधिकारी-गण आश्रित संरचना (Officer Cadre Based Structure) बनाने हेतु प्रयत्न किये गये किन्तु सफलता नहीं मिली। 2011 से 2013 के बीच तीन नवीन पद भरे गये। 2017 तक, पूर्व में स्वीकृत किन्तु खाली पड़े पद लगभग समाप्त हो चुके थे। देश भर में प्रतिष्ठान के विविध गतिविधियों, वेदों के कार्यक्रमों को संचालित करने, वेद के संरक्षण, वेद संवर्धन कार्यक्रमों को शीघ्रता से संचालित करने एवं निरीक्षण पूर्वक समुचित दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठान में विभिन्न अधिकारियों एवं कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के कर्तृत्वशक्ति से वर्ष 2022 में वित्त मन्त्रालय द्वारा 14 नवीन पदों को सृजन किया गया एवं समाप्त हुए 04 पदों को पुनः उज्जीवित किया गया।

भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त नियुक्ति नियमावली अनुसार विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति की गई। इसके परिणाम स्वरूप प्रतिष्ठान में कार्यरत कुल अधिकारियों एवं कार्मिकों की संख्या 29 हैं (31-03-2024 की यथातिथि) । अभी भी 7 पद नियुक्ति प्रक्रिया में हैं। सीधी भर्ती के माध्यम से चयनित निम्नलिखित नवनियुक्त अभ्यर्थियों ने पदों पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.स.	पदनाम	पदों की संख्या	चयनित अभ्यर्थी का नाम एवं कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	
1.	सहायक निदेशक	02	श्री लवी त्यागी	18.01.2024
			श्री मिश्रा आकाश कुमार देवेश	18.01.2024
2.	लेखाधिकारी	01	श्री आशीष शर्मा	12.01.2024
3.	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	01	श्री देवाशीष तिवारी	01.12.2023
4.	सहायक	01	श्री विनय शर्मा	29.12.2023
5.	अवर श्रेणी लिपिक	05	श्री रोहित प्रमोद दाभाड़े	01.12.2023
			श्री मनोज कुशवाह	04.12.2023
			श्री जय धुपकारिया	04.12.2023
			श्री अंकित	05.12.2023
			श्री प्रिंस वर्मा	11.12.2023
6.	मल्टी टास्किंग स्टाफ	03	श्री पवन मदारिया	04.12.2023
			श्रीमती अंजलि जोशी	27.12.2023
			श्री शिवम राय	19.02.2024

इसी क्रम में पदोन्नत किए गए कार्मिकों का विवरण निम्नानुसार है -

स.क्र.	कार्मिक का नाम	पदोन्नति पूर्व पद	पदोन्नति उपरांत पद	पदोन्नति की तिथि
1.	श्री आनन्द शर्मा	कनिष्ठ आशुलिपिक	वरिष्ठ आशुलिपिक	12.01.2024
2.	डॉ .अनूप कुमार मिश्र	अनुभाग अधिकारी	सहायक निदेशक	07.02.2024

संस्कृत विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम) में राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी आयोजित

दिनांक 10 से 11 मार्च 2023 को संस्कृत विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में उत्तर पूर्व में वेद - परम्पराएँ और परिवर्तन विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन गुवाहाटी में किया गया। दिनांक 10 मार्च 2023 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, प्रो. मंजुला देवी, प्रो. हिरण शर्मा, प्रो. एन. के पाण्डूरंग आदि उपस्थित थे।

दिनांक 10 से 11 मार्च 2023 तक आयोजित सङ्गोष्ठी में पं.बंगाल, असम, कर्नाटक आदि राज्यों के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, प्रो. दीपक कुमार शर्मा, प्रो. जगदीश शर्मा, डॉ. अणिन्द बन्दोपाध्याय द्वारा की गई। इस प्रकार से दो दिवसीय राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री महारुद्र हनुमान सेवा संस्थान, बड़ोदरा (गुजरात) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 13 से 15 मार्च 2023 तक श्री महारुद्र हनुमान सेवा संस्थान, बड़ोदरा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन बड़ोदरा में किया गया। इस अवसर पर प्रो. श्रीधर शेष अडी, कुंजबिहारी उपाध्याय, राजेन्द्र पुरुषोत्तम दाणी, हरिकेश कुलकर्णी आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष सम्पूर्ण देश में वेद के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर छह क्षेत्रीय वेद सम्मेलन, उत्तर पूर्व राज्य में एक क्षेत्रीय वेद सम्मेलन, एक अखिल भारतीय वेद सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। इस सम्मेलन में सस्वर वेदपाठी भाग लेते हैं। प्रति सम्मेलन में वेद पारायण, वेदों पर चिन्तन, वेद शोभा यात्रा आयोजित होती है।

कृष्णा मण्डल वेद विद्यापीठ विद्वतप्रवर्द्धक सभा, विजयवाड़ा (आन्ध्रप्रदेश)

दिनांक 05 से 07 अप्रैल 2023 तक कृष्णा मण्डल वेद विद्यापीठ विद्वतप्रवर्द्धक सभा, विजयवाड़ा (आन्ध्रप्रदेश) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन विजयवाड़ा में किया गया। सम्मेलन में कांचीकामकोटि पीठ के शंकराचार्य जी पधारे। इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, कुलपति प्रो. जी. एस. आर. कृष्णमूर्ति, प्रो. सन्निधानं सुदर्शन शर्मा, के. वेंकट शिवरामकृष्ण घनपाठी, एम. वेंकट शास्त्री, एम.डी. श्रीनिवास घनपाठी, डी. वेंकटेश्वर अवधानी, टी. राघवेन्द्र शर्मा, बी.एन. गौतम शर्मा आदि वेद के मूर्धन्य मनीषी उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री महावीर न्यास समिति, श्री महावीर मन्दिर, पटना

दिनांक 17-19 अगस्त 2023 तक श्री महावीर न्यास समिति, श्री महावीर मन्दिर, पटना तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन पटना में किया गया। बिहार की राजधानी पटना में पहली बार यह विशाल क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित हुआ। इस में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रेदश, ओडिशा, बंगाल तथा मणिपुर से आगत लगभग 100 वैदिक गुरुओं के द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त बिहार राज्य के महामहिम राज्यपाल माननीय श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा श्री महावीर न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र तथा पं. भवनाथ झा उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे। तदुपरान्त सन्ध्या कालीन समय में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संस्कृत नाटक (गुरोः महात्म्यम्), काव्यपाठ का आयोजन किया गया।

तीन दिन के विशाल क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में देश के जाने-माने वैदिक विद्वानों ने सम्बन्धित विषयों पर अपना व्याख्यान दिया। इनमें डॉ. देवीसहाय पाण्डेय, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि ने अपना व्याख्यान दिया। त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन में श्री के. सुधाकरण तथा श्री के. सुरिया चन्द्रण, श्री प्राण शंकर मजुमदार उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, विशिष्ट अतिथि श्री उदयकान्त मिश्र, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र तथा श्री विजय शंकर दुबे उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सनातन धर्म श्री शक्तिपीठ दुर्गा मन्दिर समिति, नई टिहरी, गढ़वाल, उत्तराखण्ड

दिनांक 25-27 सितम्बर 2023 तक सनातन धर्म श्री शक्तिपीठ दुर्गा मन्दिर समिति, नई टिहरी, गढ़वाल, उत्तराखण्ड तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गढ़वाल, उत्तराखण्ड में किया गया। कार्यक्रम से एक दिन पूर्व सम्मेलन प्रचार-प्रसार हेतु दिनाङ्क 24 सितम्बर 2023 अपराह्न 3 बजे से नई टिहरी के बैराडी क्षेत्र से प्रारम्भ होकर सम्मेलन स्थल रामलीला मैदान तक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में स्थानीय विधायक माननीय श्री किशोर उपाध्याय, प्रतिष्ठान के अनुभाग अधिकारी डॉ. अनूप कुमार मिश्र, स्वामी अच्युतानन्द (हरिद्वार) एवं श्री केशवस्वरूप ब्रह्मचारी (ऋषिकेश) उपस्थित थे। तदुपरान्त सन्ध्या कालीन समय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सनातन धर्म श्रीशक्तिपीठ दुर्गा मन्दिर समिति की ओर से प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष, केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् तथा प्रतिष्ठान के अन्य अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में प्रतिष्ठान के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, ऋषिकेश से आगत डॉ. ओमप्रकाश भट्ट उपस्थित थे। समापन सत्र में अतिथि श्रीमान महेन्द्र भट्ट, श्री दिनेश प्रसाद सेमवाल, श्री शूरवीर सिंह सजवाण उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबन्ध एवं विकास संस्था (धरला) बेगूँ, चित्तौड़गढ़, राजस्थान

दिनांक 29 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2023 तक श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबन्ध एवं विकास संस्था (धरला) बेगूँ, चित्तौड़गढ़ राजस्थान तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन चित्तौड़गढ़ में किया गया। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रेदश, दिल्ली, राजस्थान तथा महाराष्ट्र राज्यों के आगत लगभग 100 वैदिकों द्वारा वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. उमेश प्रसाद दास, संस्थान के अध्यक्ष महोदय श्री सत्यनारायण जोशी, महाराज महन्त श्री नन्दकिशोर दास, श्री मुकेश मीणा, ए.डी.एम., श्री भंवर लाल त्रिपाठी तथा श्री मुरलीधर पंचोली उपस्थित थे। तदुपरान्त सन्ध्या कालीन समय में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ वेद विद्यालय के छात्रों ने उपनिषद पर आधारित नाटक की प्रस्तुति की। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में डॉ. संकल्प मिश्र, श्री सत्यनाराण जोशी, श्री पंकज पाण्डेय, डॉ. प्रकाश चन्द्र शतपथी, श्रीमती लाड़ देवी शर्मा, पं. श्री महेन्द्र कुमार भट्ट, उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् को विशिष्ट वेद सेवा इति उपाधिनामक सम्मान पत्र सादर समर्पित किया गया। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

महाराजा प्रताप सिंह वेद विद्यालय वेद मन्दिर, अम्बफला, जम्मू

दिनांक 06 से 08 अक्टूबर, 2023 तक महाराजा प्रताप सिंह वेद विद्यालय वेद मन्दिर, अम्बफला, जम्मू तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन, अम्बफला, जम्मू में किया गया। इस क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में जम्मू, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रेदश, दिल्ली तथा राजस्थान से आगत वैदिक विद्वानों द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

इस अवसर पर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी, पद्मश्री, पूर्व प्रचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू , प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी, कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली उपस्थित थे। तदुपरान्त सन्ध्या कालीन समय में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन के समापन सत्र में प्रतिष्ठान के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी साथ में श्री दिनेश कामत जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सम्मेलन में श्री नारायण लाल शर्मा, श्री पवन कुमार मिश्र, राम जी शुक्ला, श्री सुनील शर्मा, श्री सत्यम शर्मा, श्री तोयराज उपाध्याय आदि वैदिक 100 संख्या में उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन

दर्शनम् वेद विद्यालय, छरोड़ी, अहमदाबाद, गुजरात

दिनांक 20 से 22 अक्टूबर, 2023 तक दर्शनम् वेद विद्यालय, छरोड़ी, अहमदाबाद, गुजरात तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन अहमदाबाद, गुजरात में किया गया। इस अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन में जम्मू, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रेदश, दिल्ली तथा राजस्थान राज्यों के भिन्न-भिन्न वेद शाखाओं के लगभग 125 विद्वान उपस्थित हुए।

प्रथम दिवस

वेद सन्देश यात्रा - अखिल भारतीय वेद सम्मेलन में दिनांक 20.10.2023 को साधु आश्रम से वेदयात्रा निकाली गई, जिसमें सभी माननीय अतिथियों के साथ प्रतिष्ठान सचिव ने भी वेदयात्रा में भाग लिया।

उद्घाटन एवं शुभारम्भ - कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनाङ्क 20.10.2023 को प्रातः 11.00 बजे वैदिक मङ्गलाचरण के साथ विशिष्ट अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन के उपरान्त मुख्य अतिथि गुजरात राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, संस्था के उपाध्यक्ष श्री पूज्य बालकृष्ण दास स्वामी तथा संस्था के अध्यक्ष श्री माधवप्रियदास स्वामी जी उपस्थित रहे। वेद सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में महामहिम राज्यपाल जी ने व्याख्यान में कहा - ''कोई भी पुस्तक होती है उसमें लेखकों का नाम उल्लेख होता है लेकिन वेद किसी के द्वारा लिखा नहीं गया है- अतः ''वेदः अपौरुषेयः''। इस अवसर पर सायंकाल में विचार गोष्ठी आयोजन के साथ गुजराती रास गरबा की प्रस्तुति हुई।

द्वितीय दिवस

प्रातः 08:00 बजे से 11:00 बजे तक वेद पारायण के अवसर पर सम्पूर्ण भारत से पधारे वैदिक विद्वानों द्वारा वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं का पाठ किया। इस दिवस पर प्रो. रामनाथ झा, प्रो. कोसलेन्द्र शास्त्री , प्रो. भावप्रकाश गाँधी, डॉ. अमृतलाल उपस्थित रहे। वेद पारायण के उपरान्त प्रातः 11:00 बजे विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. रामनाथ झा जी उपस्थित रहे। उक्त सत्र में वेद पण्डित श्री जितेन्द्र दास शास्त्री जी एवं श्री जिग्नेश भाई जोशी का सम्मान किया गया। सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रह्लाद नृसिंह नाट्य अभिनय वेद विद्यालय के छात्रों द्वारा किया गया तथा मेमनगर के छात्रों ने गुजराती गरबा नृत्य प्रस्तुत किया।

वेद सन्देश यात्रा- दिनांक 21.10.2023 को मध्याह्न में सुभाष चौक से मेमनगर गुरुकुल तक सभी वैदिक विद्वान एवं सभी माननीय अतिथि, वेद छात्रों सहित सम्मेलन स्थल से लगभग 4 कि.मी. पदयात्रा करते हुये कष्टभंजन हनुमान जी का पंचोपचार पूजन कर यात्रा सम्पन्न की।

तृतीय दिवस

इस अवसर पर प्रातः 08:00 बजे से अखण्ड वेद पारायण किया गया। तदुपरान्त प्रातः 10.30 बजे विचार संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. के. ई देवनाथन जी, भूतपूर्व कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, ने वेदचतुष्टय विषय पर व्यख्यान प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, कुलपति सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय तथा संस्था के विशिष्ट गणमान्य उपस्थित रहे।

योगक्षेम संस्था, चेन्नई, तमिलनाडु में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

दिनांक 11 से 13 दिसम्बर 2023 तक योगक्षेम संस्था, चेन्नई, तमिलनाडु तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन, चेन्नई, तमिलनाडु में किया गया। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, केरल, महाराष्ट्र राज्यों से आगत वैदिकों द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

इस अवसर पर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि तमिलनाडु राज्य के माननीय महामहिम राज्यपाल श्री आर. एन. रवि उपस्थित थे। तदुपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी। त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त, श्री एन. गोपालस्वामी जी, श्री रामचन्द्र शास्त्री जी, भूतपूर्व अध्यक्ष, मद्रास संस्कृत महाविद्यालय तथा प्रतिष्ठान के सहायक निदेशक श्री संजय श्रीवास्तव, श्री ओ. आर. देवनाथन, श्री कार्तिक एम. के., एम. ई. अरावनफान , श्री प्रसन्नर जी उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री राजराजेश्वरी वेद गुरुकुलम, शिरसी, कर्नाटक में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

दिनांक 13-15 जनवरी 2024 तक श्री राजराजेश्वरी वेद गुरुकुलम, शिरसी, कर्नाटक तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन, शिरसी, कर्नाटक में किया गया। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, केरल, महाराष्ट्र राज्यों के लगभग 100 वैदिक विद्वानों द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

13 जनवरी सायं 4 से 6 बजे तक वेद शोभा यात्रा में श्रीमद् गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती जी, श्री सोन्दा स्वर्णवल्ली महासंस्थानम्, श्रीमद्जगद्गुरु शङ्कराचार्य- श्री श्री अभिनव शंकरभारती स्वामी, परमपूज्य श्री श्री माधवानन्द भारती तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो.

प्रफुल्ल कुमार मिश्र एवं सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् उपस्थित रहे एवं आमन्त्रित वैदिक पण्डितों तथा विद्यालय के वेदाध्यापक एवं छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।

तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में श्रीमद्जगद्गुरु शङ्कराचार्य- श्रीमद् गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती जी, श्री सोन्दा स्वर्णवल्ली महासंस्थानम्, श्रीमद्जगद्गुरु शङ्कराचार्य- श्री श्री अभिनव शंकरभारती स्वामी, दक्षिणाम्नाय श्री शारदापीठम्, कूडलि, श्री शिवराम हेब्बार, शासक, श्री विश्वेश्वर हेगडे कागेरि, विधानसभा अध्यक्ष तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र तथा सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् उपस्थित रहे। दिक्सूची भाषण के लिए प्रो. के.ई. देवनाथन, भूतपूर्व कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु उपस्थित रहे। इस सत्र में सम्मान प्रदान करने के लिए श्री एस. गणेश घनपाठी, बेंगलुरु, श्री सुंदर राम श्रोती, विजयवाडा उपस्थित थे। तदुपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत भक्ति संगीत, भजनामृत की प्रस्तुति हुई। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में वे.मू. डॉ. वंशीकृष्ण घनपाठी, मैसूर, वे.मू. श्री एम. वी. कृष्णमूर्ति घनपाठी, वे.मू. श्री गोपाल कृष्ण शिवपूजी, वे.मू. श्री रमेश वर्धन, वे.मू. टी.एन. प्रभाकर, पं श्री उदय वैद्य उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन के समापन सत्र में श्रीमद् गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती जी, श्री सोन्दा स्वर्णवल्ली महासंस्थानम्, श्रीमद्जगद्गुरु शङ्कराचार्य- श्री श्री अभिनव शंकरभारती स्वामी तथा प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र एवं सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् उपस्थित रहे। इस सत्र में सम्मान प्रदान हेतु वेदमूर्ति श्री के. गोविन्द प्रकाश घनपाठी, वेदमूर्ति श्री कुंजबिहारी उपाध्याय जी को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी हेतु भूमि प्राप्त

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, भारत सरकार शिक्षा मन्त्रालय की स्वायत्तशासी संस्था है। भारत सरकार के शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता माननीय मन्त्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय जी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी हेतु असम सरकार द्वारा 54 बीघा भूमि (लगभग 17 एकड़) दिनांक 30 जून 2023 को हस्तान्तरित की गई। भवन निर्माण से सम्बन्धित कार्य प्रगति पर है।

सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ

वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए उन सभी को जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ट विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते हैं, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को होते हैं। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी सम्मिलित हैं, जो कि प्रतिष्ठान द्वारा बनाये गये हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान सभी के लिए वैदिक कक्षाओं के आयोजन की स्वीकृति प्रदान की गई।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, भरतपुरी, उज्जैन (मध्यप्रदेश)

63वीं परियोजना समिति के अनुसार प्रतिष्ठान के भरत पुरी परिसर में "सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ" अनवरत संचालित हैं। श्री कुञ्जबिहारी पाण्डेय अतीव मनोयोग से वैदिक कक्षाओं का संयोजन करते हैं।

वेदसंस्कृति देववाणी मन्दिर, कृष्णगंज देववाणी मन्दिर तथा अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, फुलुई, जिला- हुगली, (प.बं.)

दिनांक 13.07.2023 से 03.03.2024 तक वेदसंस्कृति देववाणी मन्दिर, कृष्णगंज देववाणी मन्दिर, अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, फुलुई, जिला- हुगली, (प.बं.) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वैदिक कक्षा का आयोजन हुगली, (प.बं.) में किया गया।

संस्कृत साहित्य परिषद, कोलकाता

दिनांक 16.9.2023 से संस्कृत साहित्य परिषद, कोलकाता तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिए वैदिक कक्षा का आयोजन कोलकाता (प.बं.) में प्रारम्भ होकर 100 कक्षाओं का संयोजन किया गया।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

दिनांक 21 जून 2023 को प्रतिष्ठान परिसर में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं वेद बटुकगण उपस्थित रहे।

इस योग दिवस की थीम "हर-घर आंगन योग" अर्थात् इस सङ्कल्प के साथ कि हम स्वयं योग साधना का आचरण करते हुए अपने ग्राम, नगर एवं राष्ट्र को योग साधना हेतु प्रेरित करेंगे।

अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियाँ

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक संगोष्ठियों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। इस सन्दर्भ में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये संगोष्ठियाँ दोदिवसीय/त्रिदिवसीय आयोजित की जाती हैं। इन संगोष्ठियों में आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाएं, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय आदि भाग लेते हैं। वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसन्धान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित होती हैं।

वर्ष 2023-24 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 8 अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियों का आयोजन करने की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिसमें से 7 अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियों का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिनके विवरण निम्नवत हैं:-

कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बङ्गाल

दिनांक 07-09 अगस्त 2023 को कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बङ्गाल तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "आधुनिकविज्ञाने प्रौद्योगिकक्षेत्रे च वैदिकज्ञानस्य प्रासङ्गिकता'' विषय पर अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन हेड़िया, पश्चिम बङ्गाल में किया गया। इस अवसर पर देश के मूर्धन्य मनीषी पश्चिम बङ्गाल, ओडिशा, झारखण्ड राज्यादि से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल कुमार मिश्र, स्वामी जपसिद्धानन्द, बेलूड़मठ, प्रो. किशोरचन्द्र पाढ़ी, महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. देवीप्रसाद रथ, प्रतिष्ठान की ओर से श्री पूर्णेन्दुशेखर घोष उपस्थित रहे। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. शत्रुघ्न पाणिग्राही , प्रो. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य , प्रो. पूणेन्दु वारिक जी, प्रो. प्रशान्तकुमार महाला, प्रो. हीरालाल दाश, प्रो. सत्यजित लायेक, डॉ. अमरेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा की गई। समापन सत्र में प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल कुमार मिश्र , प्रो. किशोरचन्द्र पाढ़ी तथा महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. देवीप्रसाद रथ आदि उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सम्माननीय आचार्यों एवं शोधार्थियों का योगदान सराहनीय रहा। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत विभाग, भरतमिश्र संस्कृत महाविद्यालय, छपरा (बिहार)

दिनांक 02-04 नवम्बर 2023 को संस्कृत विभाग, भरतमिश्र संस्कृत महाविद्यालय, छपरा (बिहार) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वेदोपकारकाणि षडङ्गानि'' विषय पर अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन छपरा (बिहार) में किया गया। दिनांक 02 नवम्बर 2023 को उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष प्रो. शशीनाथ झा, मुख्यातिथि ई. सच्चिदानन्द राय, विशिष्ट अतिथि डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी, सारस्वत अतिथि प्रो. सिद्धार्थ शंकर सिंह जी, डॉ. आभा कुमारी, डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र उपस्थित थे। दिनांक 02-04 नवम्बर 2023 की आयोजित सङ्गोष्ठी में दिल्ली, बिहार, उत्तरप्रदेश, गुजरात तथा झारखण्ड राज्यों के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. श्रीपति त्रिपाठी, प्रो. वैद्यनाथ मिश्र, प्रो. उमेश मिश्र द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम के सम्पूर्ति सत्र में सत्राध्यक्ष प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, मुख्यातिथि डॉ. चतुर्भुज नाथ गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, सारस्वत अतिथि प्रो. गौतम प्रसाद मिश्र उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (आजादी के बाद कश्मीर में पहली बार वैदिक संगोष्ठी)

दिनांक 06-08 नवम्बर 2023 को संस्कृत विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वेदों की प्रासङ्गिकता" (Relevance of the Vedas in the modern context) विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन श्रीनगर में साक्षात् उपस्थिति में किया गया।

दिनांक 06 नवम्बर 2023 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति केन्द्रीय

संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, डॉ. मिराज अहमद, प्रो. इजाज मोहम्मद, डॉ. निसार अहमद आदि उपस्थित थे। दिनांक 06-08 नवम्बर 2023 तक आयोजित सङ्गोष्ठी में जम्मू, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा आदि के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. रंजीत वेहरा, डॉ. डी. दयानाथ, डॉ. मदन कुमार झा, डॉ. पुरुषोत्तम दास तथा डॉ. तेजनाथ पौण्डेल, श्री विशाल भारद्वाज, डॉ. विवेक शर्मा जी, डॉ. विरेन्द्र शर्मा, प्रो. ममता शर्मा द्वारा की गई। इस प्रकार से त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

विश्वेश्वरानंद विश्व बंधु संस्कृत तथा प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर

दिनांक 28-30 नवम्बर 2023 को विश्वेश्वरानंद विश्व बंधु संस्कृत तथा इंडोलॉजिकल अध्ययन संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर, पंजाब तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वेदों में राष्ट्रवाद" विषय पर अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन होशियारपुर, पंजाब में किया गया। इस अवसर पर देश के मूर्धन्य मनीषी पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश से आगत विद्वान उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. रेणु विग, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, विशिष्ट अतिथि श्री विजय सांपला, पूर्व चेयरमैन, एस.सी. कमीशन भारत सरकार, सम्मानित अतिथि प्रो. सतपाल जैन, प्रो. जगदीश प्रसाद सेमवाल सत्राध्यक्ष तथा प्रो. वीरेन्द्र कुमार अलंकार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में प्रो. एच.एस. बैंच , श्री संजीव तलवाड़, डॉ. सन्दीप सिकरी, डॉ. जयप्रकाश नारायण मिश्र, प्रो. ललित कुमार गौड़ सत्राध्यक्ष रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती कोमल मित्तल, डिप्टी कमिश्नर, विशिष्ट अतिथि श्री मुकेश अरोरा, सारस्वत अतिथि डॉ. सुरेन्द्र, पूर्व डिप्टी कमिश्नर, मुख्य वक्ता प्रो. सुधीर कुमार तथा प्रो. ऋतुबाला एवं उस संस्था के अध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस प्रकार से त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम

दिनांक 05-07 दिसम्बर, 2023 को संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में वैदिक ज्ञान परम्परा" (Vedic Knowledge System in the North-Eastern Region of Indian) विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सिलचर, असम में किया गया।

दिनांक 05 दिसम्बर, 2023 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. राजीव मोहन पंत, कुलपति असम विश्वविद्यालय, सिलचर, मुख्यातिथि प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, कुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम, प्रो. सत्यनारायण चक्रवर्ती तथा प्रो. स्निग्धा दास राय की उपस्थिति रही। दिनांक 05-07 दिसम्बर, 2023 से आयोजित सङ्गोष्ठी में असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, झारखण्ड, राजस्थान एवं उड़ीसा आदि के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. नबनारायण बन्दोपाध्याय, प्रो. सुदेष्णा भट्टाचार्य, प्रो. शान्ति पोखरियाल, प्रो. गोविन्द शर्मा, प्रो. तपोधीर चट्टोपाध्याय द्वारा की गई। समापन सत्र में प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र जी, प्रो. दीपक कुमार शर्मा, भूतपूर्व कुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम आदि उपस्थित थे। इस प्रकार से त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

दिनांक 05-07 फरवरी 2024 को संस्कृत विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर उत्तर प्रदेश तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वेदार्थनुशीलने शास्त्राणां प्रयोजनीयता" विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सम्बन्धित विश्वविद्यालय में किया गया। दिनांक 05 फरवरी 2024 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टण्डन, मुख्य अतिथि प्रो. बिहारीलाल शर्मा, सारस्वत अतिथि प्रो. मुरली मनोहर पाठक, विशिष्ट अतिथि प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय, पूर्व सचिव (म.सा.रा.वे.वि.प्र.,उज्जैन) मुख्य आयोजक प्रो. कीर्ति पाण्डेय कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी, प्रो. रवीन्द्र नाथ भट्टाचार्य, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्रो. प्रयागनारायण मिश्र, डॉ. देवेश कुमार मिश्र, डॉ. शालिनी, डॉ. सत्यकेतु कार्यक्रम में उपस्थित थे। सङ्गोष्ठी में दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार आदि के विद्वानों ने सहभागिता की। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. बनारसी त्रिपाठी, प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी उपस्थित थे। सङ्गोष्ठी का संयोजन डॉ. लक्ष्मी मिश्रा द्वारा किया गया । इस प्रकार से त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

दिनांक 23-25 फरवरी, 2024 को संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वैदिकवाङ्मये राष्ट्रियचेतना'' विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। दिनांक 23 फरवरी, 2024 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर अध्यक्ष प्रो. सतीश चन्द्र गडकेटी, मुख्यातिथि प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, आशीर्वचन हेतु प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि शङ्करानन्द वी. आर , सारस्वत अतिथि पद्मश्री डॉ. सुमेधा आचार्य उपस्थित थे। वैदिक सङ्गोष्ठी के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. रामनाथ झा , प्रो. शशिप्रभा कुमार, प्रो. रजनीश कुमार मिश्र, प्रो. पुष्पेन्दु जोशी, प्रो. बृहस्पति मिश्र, प्रो. विनय कुमार विद्यालङ्कार, प्रो. नीरज शर्मा, डॉ ब्रह्म प्रकाश द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम के सम्पूर्ति सत्र में अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. कपिल कपूर, मुख्यातिथि प्रो. रमेशचन्द्र भरद्वाज, सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. सत्यपाल सिंह, प्रो. सोमदेव शुतांशु , प्रो. ओमनाथ विमली, संयोजक डॉ. कृष्णमोहन पाण्डेय उपस्थित रहे। इस प्रकार से त्रिदिवसीय सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

77वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह- 2023

प्रतिष्ठान परिसर में परम्परानुसार इस वर्ष भारत का 77वाँ स्वतन्त्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रतिष्ठान के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने उल्लासपूर्वक इस पावन राष्ट्रीय पर्व में भाग लिया। प्रतिष्ठान के अनुभाग अधिकारी डॉ. अनूप कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के बलिदानियों का स्मरण किया, उन्होंने कहा कि हमारी दृष्टि व्यापक और उन्नत होनी चाहिए, संकीर्णता हमारी पहचान कभी नहीं रही है। विश्व चेतना विकास का मार्ग तभी खुलेगा जब सृष्टि के सर्वप्राचीन ज्ञान-विज्ञान का आदि स्रोत, वेदों का अध्ययन अध्यापन का विकास होगा।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का स्थापना दिवस समारोह

प्रतिष्ठान परिसर में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा दिनांक 28 से 30 अगस्त, 2023 तक 37वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर में 23 अगस्त से 29 अगस्त, 2023 चतुर्वेद पारायण एवं दिनांक 28 से 30 अगस्त 2023 को विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 28 अगस्त 2023 को उद्घाटन सत्र में प्रातः 10 बजे मुख्य अतिथि माननीय महन्त श्यामगिरि जी महाराज (राधे-राधे बाबा), श्यामधाम आश्रम, चिन्तामण गणेश मार्ग, उज्जैन, प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष महोदय प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र जी, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, प्रतिष्ठान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। तदुपरान्त मध्याह्न में वेदान्त्याक्षरी स्पर्धा तथा वेद विषय पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन किया गया।

दिनांक 29 अगस्त, 2023 को शोभा यात्रा (वेद सन्देश यात्रा), वैदिक प्रश्नोत्तरी स्पर्धा, वेद शलाका स्पर्धा तथा सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 30 अगस्त, 2023 को पुरस्कार वितरण एवं समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा जी, कुलानुशासक, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् तथा प्रतिष्ठान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस प्रकार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत सप्ताह- प्रतिष्ठान परिसर में दिनांक 28 अगस्त से 03 सितम्बर, 2023 तक संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में छात्रों द्वारा स्तोत्रादि पाठ किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल् तथा प्रतिष्ठान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस प्रकार संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

वर्ष 2023-24 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 6 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिनमें से 5 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:-

साहित्य संस्थान इंस्टिट्यूट आफ राजस्थान स्टडीज, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर (राजस्थान)

दिनांक 22 से 29 अगस्त 2023 तक साहित्य संस्थान इंस्टिट्यूट आफ राजस्थान स्टडीज, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन उदयपुर (राज.) में किया गया।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. शिवसिंह, डॉ. कुलशेखर बेस उपस्थित रहे। प्रथम दिवस में वेद व्याख्यानकर्ता डॉ. उपेन्द्र भार्गव ने वेद में भारतीय चिन्तन धारा, द्वितीय दिवस में डॉ. भगवती शंकर बेस ने वेदों में संस्कारों का महत्त्व, डॉ. संकल्प मिश्र ने वेदों में विश्वबन्धुत्व, तृतीय दिवस में डॉ. सरोज गर्ग ने वेदों की महिमा, डॉ. मृत्युंजय कुमार तिवारी ने वेदों में जल संरक्षण, चतुर्थ दिवस में डॉ. कुसुमलता टेलर ने वेदों में परोपकर का चिन्तन, व्याख्याता रचना जोशी ने वैदिक साहित्य में पंचकोश अवधारणा, पञ्चम दिवस में श्री सुरेन्द्र द्विवेदी ने वेदों में नारी, प्रो. दिनेश शास्त्री ने वेदों में वैज्ञानिक विवेचन, षष्ठ दिवस में प्रो. नीरज शर्मा ने आधुनिक समय में वेदों की प्रासंगिकता आदि विषयों पर व्याख्यान दिया। समापन सत्र के स्वागत उद्बोधन में प्रो. जीवन सिंह खरकवाल एवं प्रो. शिवसिंह, कुलपति, मुख्य अतिथि डॉ. शोभालाल औदिच्य, डॉ. लता श्रीमाली, विशिष्ट अतिथि श्री भंवरलाल गुर्जर आदि उपस्थित रहे। इस प्रकार वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, कल्याणलोक, जावदा (निम्बाहेड़ा) चित्तौड़गढ़, राजस्थान

दिनांक 11 से 17 सितम्बर 2023 तक श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, कल्याणलोक, जावदा (निम्बाहेड़ा) चित्तौड़गढ़, राजस्थान तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन (निम्बाहेड़ा) चित्तौड़गढ़, राजस्थान में किया गया। दिनांक 11 सितम्बर, 2023 को कार्यक्रम में वेदों में चिकित्सा विज्ञान पर व्याख्यान हुआ। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. स्मिता शर्मा एवं संयोजक डॉ. मृत्युंजय तिवारी, डॉ. लोकेश चौधरी, डॉ. सुनील शर्मा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दिनांक 12 सितम्बर, 2023 को मुख्य अतिथि श्री करुण्डा शास्त्री ने वेदों में मानवतावाद विषय पर व्याख्यान दिया साथ ही संस्कृत महाविद्यालय के डॉ. आनन्द शर्मा जी ने वेदों में भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, वृष्टि विज्ञान आदि पर व्याख्यान दिया। दिनांक 13 सितम्बर, 2023 को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती आर. गीता ने वेद विषय पर व्याख्यान दिया। दिनांक 14 सितम्बर, 2023 को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शेष राज शर्मा ने वेद में यज्ञ विद्या के विषय पर व्याख्यान दिया। श्री दीप चन्द्र शर्मा ने वेदों में यज्ञ विषय पर व्याख्यान उपस्थापित किया। दिनांक 15 सितम्बर, 2023 को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिलोक शर्मा ने वेद में सामजिक जीवन के विषय पर व्याख्यान दिया। श्री अरविन्द ने वेदों में भाषा विषयक चिन्तन विषय पर व्याख्यान उपस्थापित किया। दिनांक 16 सितम्बर, 2023 को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री धर्मेन्द्र चौबे ने वेदों में ज्ञान-विज्ञान के विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री पंकज झा जी ने वेदों में चिकित्सा विद्या विषय पर व्याख्यान दिया। दिनांक 17 सितम्बर, 2023 को समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. नीरज शर्मा, डॉ. सरोज कोचर, श्री कैलाश चन्द्र, श्री विकास मारग, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ताराशंकर शर्मा, श्री चन्द्र वीर सिंह, श्री राकेश पारिक, डॉ. स्मिता शर्मा, श्री देवीलाल, श्री देवेन्द्र जैन, श्री गोपाल शर्मा आदि उपस्थित रहे। इस प्रकार वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

श्री राधारमण संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, फरेन्दा, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.)

दिनांक 14 से 20 सितम्बर, 2023 तक श्री राधारमण संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, फरेन्दा, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) में किया गया।

कालीपद स्मृति चतुष्पाठी, मिर्जापुर, बांकुडा (प.बं.)

दिनांक 02 से 08 जनवरी 2024 तक कालीपाडा स्मृति चतुष्पाठी, मिर्जापुर, बांकुडा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन मिर्जापुर (प.बं.) में किया गया।

अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, पो. ऑ. फुलुई, हुगली (प.बं.)

दिनांक 01 से 07 नवम्बर 2023 तक अमितारंजन शंकरीवाला वेद विद्या मन्दिर पो. ऑ. फुलुई, हुगली (प.बं.) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन फुलुई, हुगली (प.बं.) में किया गया।

ओङ्कारेश्वर में एकात्मधाम शङ्कराचार्य का भव्यमूर्ति अनावरण समारोह

दिनाङ्क 15 से 21 सितम्बर को मध्यप्रदेश शासन द्वारा एकात्मधाम के अन्तर्गत आचार्य शंकराचार्य की 108 फीट की बहुधातु प्रतिमा (Statue of Oneness) के अनावरण कार्यक्रम सम्पन्न करने हेतु प्रतिष्ठान को पूजन विधि का दायित्व दिया गया था। इस उपलक्ष्य पर वैदिक पूजन कार्यक्रम सम्पन्न करने हेतु चतुर्वेद पारायण, अथर्वशीर्ष पारायण, ललितासहस्रनाम पारायण एवं अर्चन, चंडी सप्तशती पारायण एवं होम, प्रस्थानत्रयभाष्य पारायण, बगलामुखी हवन, परशुराम हवन, लक्ष्मीनृसिंह हवन, अभिषेक, बिल्वार्चन, नवग्रह हवन, राक्षोघ्न हवन, अथर्वशीर्ष हवन, मृत्युञ्जय हवन, मण्डलदेवता हवन, अनावरण पूजा, श्रौतवेदि, मण्डल निर्माण एवं यज्ञपात्र प्रदर्शनी अनुष्ठानादि अनुष्ठित किये गये। इस कार्यक्रम में देश के विख्यात साधु सन्तों की सहभागिता रही, विशेषतया दक्षिणाम्नाय श्री शारदापीठम् शृंगेरी चिकमंगलूर कर्नाटक के श्री श्री 1008 जगद्गुरुशङ्कराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम् महाराज श्री के परमानुग्रह के साथ वैदिक रीति से 51 कुण्डीय हवन विधान सम्पन्न हुआ।

मध्यप्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्यमन्त्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के कर कमलों से भव्य मूर्ति का अनावरण किया गया, इसी कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से साधु-सन्त, विद्वान, माननीय श्री सुरेश सोनीजी, माननीय श्री भैय्याजी जोशी तथा प्रतिष्ठान के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे। इस प्रकार आचार्य शङ्कर भगवत्पाद जी की प्रतिमा (Statue of Oneness) के अनावरण कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय , पुरी, ओडिशा का प्रथम स्थापना दिवस महोत्सव

वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विगत 37 वर्षों से समर्पित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा सञ्चालित श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी में दिनांक 04 अक्टूबर, 2023 को प्रथम स्थापना दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दिनांक 04 अक्टूबर, 2023 को प्रातः 07 से 08 बजे तक श्रीजगन्नाथ मन्दिर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर तक शोभा यात्रा (वेद सन्देश यात्रा) तथा प्रातः 08 से 09 वजे तक चतुर्वेद स्वाहाकार का आयोजन किया गया। तदुपरान्त प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाई के प्रतिभागियों हेतु प्रातः 10 से अपराह्न 12 बजे तक वेदामन्त्रान्त्याक्षरी स्पर्धा का अयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. अतुल कुमार नन्द, प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् तथा श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाई के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे। इस प्रकार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

वेद जागरण यात्रा

दिनांक 18 नवम्बर, 2023 को श्री स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेदविद्यालय, वाराणसी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद जागरण यात्रा का आयोजन सफलतापूर्वक वाराणसी में किया गया।

उक्त यात्रा में स्थानीय एवं प्रयागराज, मिर्जापुर, चंदौली पाठशाला, इकाइयों के अध्यापक छात्रों की पूर्ण सहभागिता रही। वेद जागरण यात्रा का कार्यक्रम वाराणसी शहर के प्रमुख मार्गों पर प्रातः 07:00 बजे से 10:00 बजे तक पाँच किलोमीटर की परिधि में पदयात्रा करते हुए भगवान विश्वनाथ के विशाल प्रांगण त्रयम्बकेश्वर हॉल में वेद विषयक विशिष्ट व्याख्यान प्रतिष्ठान के पूर्व सचिव प्रो. श्रीकिशोर मिश्र द्वारा किया गया एवं मध्याह्न भोजन के पश्चात कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यात्रा में 1000 वेद बटुक, 200 गणमान्य जन, दो बग्घी वाहन, 2 डीजे वाहन, अध्यापक छात्रों के हाथों में वेद की सूक्तियाँ, सनातन ध्वज, राष्ट्रीय ध्वज शोभायमान रहा।

78वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह- 2024

गणतन्त्र दिवस भारत का प्रमुख राष्ट्रीय पर्व है, जिसे प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। 1950 में इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ और भारत एक पूर्ण गणराज्य के रूप मे प्रतिष्ठित हुआ। 78वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने ध्वजोत्तोलन कर भारतीय तिरंगे को नमन कर समस्त उपस्थितजन के साथ समवेत स्वर में राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया। तत्पश्चात राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के छात्रों द्वारा समस्त अध्यापकों के सान्निध्य में प्रतिष्ठान परिसर में भव्य परेड का आयोजन किया गया जिसका निरीक्षण प्रतिष्ठान सचिव द्वारा किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में सचिव महोदय ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना में वेद का ज्ञान निहित है। वेद अध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण, संवर्धन तथा विकास के माध्यम से भारतीय संविधान की रक्षा होगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई। गणतन्त्र दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठान के अधिकारी, कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अनूप कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, म.सा.रा.वे.वि.प्र. द्वारा किया गया।

अतिरात्र सोमयाग

श्री जयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य वेद पाठशाला, सोमयागी (डॉ. जयन्त कुमार दिर्घांगी), जयन्ती पुर, चन्द्रकोना, पश्चिम मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 13 से 25 फरवरी 2024 को साग्निचित् त्रिसाहस्र अतिरात्र सोमयाग अनुष्ठान अनुष्ठित हुआ। इस कार्यक्रम को सम्पन्न करने हेतु महाराष्ट्र के विद्वान याज्ञिकों को बुलाया गया था तथा बंगाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अध्यापक एवं छात्रगण भी उपस्थित रहे।

वेद अनुसन्धान केन्द्र की गतिविधियाँ

प्रतिष्ठान की 38वीं शासी परिषद द्वारा दिये गये निर्देश तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुपालन में अनुसन्धान केन्द्र की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह 2023-24 में भी निरन्तर रहा। यथा -निरन्तर प्रतिमाह के अन्तिम सप्ताह में वेद के विविध विषयों से सम्बन्धित ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिष्ठान द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग की तकनीक के अनुप्रयोग के माध्यम से वैदिक सस्वर पाठ एवं स्वरों के लिए हस्त संचालन प्रदर्शन की गुणवत्ता का साफ्टवेयर के माध्यम से आकलन करने के उद्देश्य से प्रायोगिक तौर पर तैयार कार्य प्रगति पर है। पाण्डुलिपियों का संग्रह, डिजिटलाइजेशन और सम्पादन कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय अदर्श वेद विद्यालय के छात्रों को कम्प्यूटर कक्षा एवं प्रायोगिक प्रयोग सिखाए जाते हैं। प्रतिष्ठान के प्रोग्रामिंग और वेबसाइट सम्बन्धित सभी कार्य किये जाते हैं।

बृहदारण्यक शतपथब्राह्मण सस्वर अध्यापन वर्ग

63वीं परियोजना समिति की बैठक के निर्णयानुसार प्रतिष्ठान के मुख्यालय में दिनांक 06 अगस्त से 26 अगस्त, 2023 तक वेदपाठशालाओं में सेवारत वेदाध्यापकों हेतु शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा बृहदारण्यक शतपथब्राह्मण सस्वर अध्यापन वर्ग (21 दिवसीय) आयोजन किया गया।

प्रतिष्ठान परिसर में नवीन भवन निर्माण

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के परिसर में विविध गतिविधियों हेतु मूलभूत सुविधाओं एवं भवन निर्माण गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। इन सुविधाओं के निर्माण हेतु समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक अनुदान दिया गया है। इन मूलभूत सुविधाओं का निर्माण एवं रख-रखाव केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। यथा- प्रशासनिक भवन G+1, नवीन छात्रावास G+3, नवीन अतिथि निवास G+2, वेद संग्रहालय, वेद अनुसन्धान केन्द्र, ग्रन्थालय- G+3, आरुणि छात्रावास भवन पर तृतीय तल तथा ऐतरेय भवन पर द्वितीय तल आदि का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा प्रतिष्ठान का निरीक्षण

श्री राम चन्द्र जांगड़ा, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) एवं संयोजक, संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति तथा समिति के अन्य माननीय सदस्यों द्वारा दिनांक 22 अगस्त, 2023 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन का राजभाषा सम्बन्धी निरीक्षण इंदौर में किया गया। निरीक्षण के दौरान, माननीय पहली उप -समिति ने प्रतिष्ठान के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति की जाँच की तथा इस सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण के समय माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति को प्रतिष्ठान द्वारा 03 आश्वासन दिये गए एवं तत्सम्बन्धी कार्रवाई कर 02 आश्वासनों को तत्काल पूर्ण किया गया। आश्वासन एवं तत्सम्बन्धी कार्रवाई निम्नानुसार है :

1. "क" क्षेत्र से प्राप्त अंग्रेजी पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाएंगे । (तत्काल प्रभाव से यह आश्वासन पूर्ण किया गया।)
2. कार्यालय में रिक्त पड़ा हिन्दी पद भरने हेतु शीघ्र कार्रवाई की जाएगी तथा अद्यतन स्थिति से माननीय समिति को अवगत कराया जाएगा। (कार्यालय में रिक्त पड़ा कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक का पद भर दिया गया है। प्रतिष्ठान में दिनांक 01.12.2023 से कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक कार्यरत है।)
3. भविष्य में राजभाषा सम्मेलन/ समारोह का आयोजन कार्यालय स्तर पर भी किया जाएगा ।

इस अवसर पर प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित वेद की हिन्दी पुस्तकों एवं यज्ञ सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसे देखकर माननीय संसद सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् , सचिव, मसारावेविप्र, श्री संजय श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, मसारावेविप्र, श्री जगदीश राम पौरी, संयुक्त निदेशक, शिक्षा मंत्रालय एवं श्रीमती सतिंदर मल्होत्रा, सहायक निदेशक, शिक्षा मंत्रालय भी उपस्थित थे, जिन्होंने समिति को निरीक्षण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन

देश में वेद एवं संस्कृत शिक्षा क्षेत्र में पूर्व-डिग्री स्तर/उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर मानकीकरण, परीक्षा, सम्बद्धता, मान्यता, प्रमाणीकरण, सत्यापन, पाठ्यक्रम और वेदों की मौखिक परम्परा, पारम्परिक वैदिक या संस्कृत शिक्षा, पाठशाला प्रणाली, प्राच्य शिक्षा के सशक्तीकरण के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा वेदभूषण प्रथम से चतुर्थ वर्ष (कक्षा 6ठी से 9वीं) तथा वेदविभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा 11वीं) एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा 10वीं) तथा वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) की वार्षिक परीक्षाएँ प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं। वेदभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा 6ठी) से वेदविभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा 11वीं) की वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर एवं वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) की वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन प्रतिष्ठान परिसर में प्रतिवर्ष किया जाता है ।

इस 2023-24 सत्र में वेदपाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा योजना एवं बाह्य परीक्षा प्रणाली में अध्ययनरत प्रथम से षष्ठ वर्ष की परीक्षाएं दिनांक 25-27 फरवरी 2024 तक आयोजित की गईं तथा वेद-विभूषण द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रतिष्ठान परिसर में दिनांक 02 मार्च से 06 मार्च 2024 तक आयोजित की गईं। इन परीक्षाओं में 9000 से भी अधिक छात्र प्रतिवर्ष भाग लेते हैं। विविध विश्वविद्यालयों द्वारा उच्च कक्षा में प्रवेश हेतु प्रतिष्ठान की परीक्षाओं को समकक्ष मान्यता प्रदान की गई है, जिसका उल्लेख अनुलग्नक-1 में किया गया है।

अनुलग्नक - 1

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के "वेद भूषण" (दसवीं /पूर्व मध्यमा समकक्ष) एवं "वेद विभूषण" (बारहवीं / उत्तर-मध्यमा समकक्ष) पाठ्यक्रमों को समकक्ष मान्यता प्रदान करने वाले विश्वविद्यालयों के नाम

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली द्वारा
पत्र सं. 8-2/RSKS/Acd/Misc./2009-10/92 दिनांक 23जून, 2011/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
वेद भूषण समकक्ष (10वीं) **वेद विभूषण** समकक्ष (10 + 2)

2. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति (आ.प्र.) द्वारा
पत्र सं. RSVP/Recg/2011-12/1283 दिनांक 15 दिसम्बर, 2011/राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
वेद भूषण समकक्ष एस.एस.सी. (10वीं) **वेद विभूषण** समकक्ष प्राक शास्त्री (10+2)

3. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आं.प्र. द्वारा पत्र सं. SVVU/R.Peshi/Gen/103/2012 दिनांक 13 जुलाई, 2012
वेद भूषण समकक्ष ---- **वेद विभूषण** समकक्ष माध्यमिक एवं 10+2 परीक्षा

4. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा पत्र सं. KSU/SSN/2012-13/185 दिनांक 19 नवम्बर, 2012
वेद भूषण समकक्ष वेद प्रवेश एवं वेद मूल /काव्य **वेद विभूषण** समकक्ष साहित्य

5. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा
पत्र सं./जरारासंविवि/शैक्ष./12/5955 दिनांक 11/10/2012
वेद भूषण समकक्ष ---------- **वेद विभूषण** समकक्ष वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक

6. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा द्वारा
पत्र सं. 4454/2013S.J.S.V., Puri Aca - 13/2000 दिनांक 30 अप्रैल, 2013
वेद भूषण समकक्ष ---------- **वेद विभूषण** समकक्ष उपशास्त्री (+2 कला)

7. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय) कांचीपुरम, तमिलनाडु
द्वारा पत्र सं. F/SCSVMV/REG/2012-13/D396 दिनांक 27 जून, 2013
वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं

8. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड द्वारा
पत्र सं. Acad/Res/2065/2013-14 दिनांक 14 सितम्बर, 2013
वेद भूषण समकक्ष विद्याधिकारी **वेद विभूषण** समकक्ष विद्याविनोद

9. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा द्वारा पत्र सं. AC - 3/F - 208/2014/7221 दिनांक 27 मार्च, 2014
वेद भूषण समकक्ष विद्याधिकारी **वेद विभूषण** समकक्ष विद्याविनोद

10. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, द्वारा पत्र सं. 850/प्रशासन/2016दिनांक 03 फरवरी, 2016
वेद भूषण समकक्ष --------- **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं

11. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा पत्र सं. CS/AC -4/2019/1246 दिनांक 15 अप्रैल, 2019
वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं

12. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा
पत्र सं. आई.जी./एस.आर.डी./आर-IV/समकक्ष/2019/590 दिनांक 4 अप्रैल, 2019
वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं

13. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा पत्र सं. ST -1802 दिनांक 12 फरवरी, 2019

वेद भूषण समकक्ष मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष प्राक शास्त्री

14. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार द्वारा पत्र सं. 741 दिनांक 13 जून, 2019

वेद भूषण समकक्ष मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष उपशास्त्री

15. कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत -पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालय, नलबारी, असम द्वारा पत्र सं. KBVS & ASU/Reg-I-C/101-411 दिनांक 2 मार्च, 2020

वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं (शास्त्री –बी.ए. में प्रवेश हेतु)

16. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला द्वारा पत्र सं. 1-1/हि.प्र.वि.वि./शै/2010/खंड – VI/4359 दिनांक 28 जुलाई, 2020 वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र विज्ञान सम्बन्धी पाठ्यक्रम को छोड़कर अन्य स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु योग्य हैं ।

17. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -110016 द्वारा पत्र सं. F 3/12/LBSV/Acad./ 2020/ 2492 / 357 दिनांक 11 सितम्बर, 2020 वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र (12वीं के समकक्ष) विविध स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मापदण्ड पूर्ण करने पर प्रवेश हेतु योग्य है ।

18. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ. प्र. द्वारा पत्र सं. SSVV/12/Shai.1114/2020 दिनांक 17 दिसम्बर, 2020

वेद भूषण समकक्ष पूर्व मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष उत्तर मध्यमा

19. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा पत्र क्र. मपासंवि/अका/21-22/1102 दिनांक 07 फरवरी, 2022

वेद भूषण 10वीं समकक्ष **वेद विभूषण** 12वीं समकक्ष

टिप्पणी- इन विश्वविद्यालयों ने "वेद भूषण" और "वेद विभूषण" पाठ्यक्रमों को वेद, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि आधुनिक विषयों के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण होने पर स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मान्यता दी है।

प्रेषक / From

सचिव / Secretary,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISTHAN
(An Autonomous Organisation of Ministry of Education, Govt. of India)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, Ujjian (M.P.) 456006
दूरभाष / Telephone : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल / E-mail : msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट / Website : www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, **Book-Post**